PE – 206

M.A. HINDI (Second Semester)
Examination June 2022
Group -
Paper -II
MADHYAKALIN KAVYA

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80
[Minimum Pass Marks : 29

नोट : दोनों खण्डों से निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित है।
Note : Answer from both the Sections as directed. The figures in the right-hand margin indicate marks.

खण्ड'अ'

1. निम्नलिखित प्रश्नो में से किन्ही दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– 1x10=10
   (i) सूरदास के गुरु का नाम क्या था ?
   (ii) भ्रमरगीत परम्परा का मूल स्त्रोत भागवत का कौन सा स्कन्ध है ?
   (iii) तुलसीदास के बचपन का नाम क्या है ?
   (iv) तुलसीदास की भक्ति किस प्रकार की है ?
   (v) बिहारी के आश्रयदाता का नाम लिखिए ?
   (vi) किस कवि का फाग वर्णन रीतिकाल में सबसे विशिष्ट है ?
   (vii) कवि भूषण ने शिवाजी की प्रशस्ति में कौन सा ग्रंथ लिखा था ?
   (vii) कवि भूषण ने शिवाजी की प्रशस्ति में कौन सा ग्रंथ लिखा था ?
   (viii) 'कठिन कविता का प्रेत' किस कवि को माना जाता है ?
   (ix) रसखान का पूरा नाम क्या है ?
   (x) रसखान की साधना–स्थली या रचना–स्थली कहॉ हैं ?
   (xi) कवि देव का पूरा नाम लिखिए ?
   (xii) रीतिकाल में वीर रस के अद्वितीय कवि किसे कहा गया ?
2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही पॉच लघुत्तरीय प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए। 2x5=10
   (i) घनानंद की काव्य भाषा पर टिप्पणी लिखिए ।
   (ii) पद्माकर के काव्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
   (iii) देव की साहित्यिक रचनाओं के नाम लिखिए।
   (iv) भूषण के काव्य पर प्रकाश डालिए।
   (v) अष्टछाप के कवियों में से चार कवियों के नाम लिखिए ।
   (vi) तुलसीदास की चार रचनाओं का परिचय दीजिए।
   (vii) बिहारी के किसी एक दोहे का उदाहरण प्रस्तुत कीजिए ।
   (viii) भूषण की रचनाओं का उल्लेख कीजिए ।

खण्ड'ब'

सभी प्रश्न अनिवार्य है–

3. (क) निम्नलिखित पंद्यांश की संदर्भ–प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए–

   "हमरे कौन जोग–व्रत साधै ?
   मृगत्वच, भस्म, अधारि,तटा को, को इतनो अपराधै ?
   जाकी कहुँ थाह नहिं पैर अगम अपार अगाधै ।
   गिरिधर लाल छबीले मुख पर इते बांध कौ बाधैं?
   आसन पवन विभूति मृगछाला ध्याननि को अवराधै ?
   सूरदास मानिक परिहरि कै राख गांठि कौ बांधै ?"

   अथवा

   "अंखियॉ हरि दरसन की भूखी।

कैसे रहे रुप रस–राची ये बतियॉ सुनी रुखी।।
अवधि गनत इकटक भग जोवत तब एती नहिं झूखी।
अब इन जोग–संदेसन उधो अति अकुलानी दूखी।
बारक वह मुख फेरि दिखाओ दुहि पय पिवत पतूरवी।
सूर सिकत हठि नाव चलायो ये सरिता है सूखी।।''

(ख) हिन्दी साहित्य में कृष्ण काव्य के परिपेक्ष्य में सूरदास के काव्य–वैशिष्ट्ता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

सूर के वियोग वर्णन पर प्रकाश डालिए।

4. (क) निम्नलिखित पद्यांश की संदर्भ–प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए–

'' सिंधुवीर एक भूधर सूंदर। कौतुक कूदि चढेउ ता ऊपर।।
बर–बार रघुवीर सॅभारी। तरकेउ पवनतनय बल भारी।।
जेहि गिरि चरन देइ हनुंमता। चलेउ सो गा पाताल तुरंता।।
जिमि अमोध रघुपति कर बाना।। एही भांति चलेउ हनुमाना।।
जलनिधि रधुपति दूत बिचारी। तैं मैनाक होहि श्रमहारी।।
हनुमान तेहि परसा कर पुनि कीन्ह प्रनाम।
राम काजु कीन्हें बिनु मोहि कहॉ बिश्राम।।''

अथवा

अवगुण एक मोर मैं माना। बिछुरत प्रान न कीन्ह पयाना।।
नाथ सो नयनन्हि को अपराधा। निसरत प्रान करहिं हठिबाधा।।
बिरह अगिनि तनु तूल समीरा। स्वास जरइ छनमाहिं सरीरा।।
नयन स्रवहिं जलु निज हित लागी। जरैं न पाव देह बिरहागी।।
सीता कै अति बिपति बिसाला । बिनहिं कहें भलि दीनलयाला।।
निमित निमिष करुनानिधि जाहिं कलप सम बीति।
बेगि चलिअ प्रभु अनिऊ भुज बल खल दल जीति।।''

(ख) तुलसी की भक्ति भावना पर विचार व्यक्त कीजिए।

अथवा

सुंदरकांड के परिप्रेक्ष्य में तुलसी की काव्यगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

5. (क) निम्नलिखित पद्यांश की संदर्भ–प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए–

''सोहत ओढे पीत पर, स्थान सलोनै गात।
मनौ नीलमनि सैल पर , आतपु परर्यो प्रभात।।''

अथवा

''कहत नरत, रीझत, खिजत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौन में करत हें नैन हीं सब बात।।''

(ख) रीतिकाल की विशेषताओं के संदर्भ में बिहारी के काव्य का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

'बिहारी काव्य में श्रृंगार –वर्णन विषय पर नतिदीर्घ निबंध लिखिए।

6. (क) घनानंद की काव्यगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

केशव के आचार्यत्व पर प्रकाश डालिए।

(ख) भूषण की काव्य कला पर प्रकाश डालिए।

अथवा

रत्नाकर के काव्य की विशेषताओं को उदाहरण सहित समझाइए।

अथवा

भक्ति काल की शाखाओं का परिचय दीजिए।